17.04.2020

तर्कना
REASONING

B.A-I-(H)
PAPER - I

व्यक्ति अपने अस्तित्व अथवा जीविकोपार्जन जैसी वास्तविक पक्षों से संबद्ध समस्याओं के समाधान की आवश्यकता से प्रेरित होकर जब सोचने की क्रिया करता है, तो उसे ही तर्कना कहते हैं।

तर्कना को निम्नलिखित रूप में परिभाषित किया जा सकता है।:—

1. इंगलिश और इंगलिश :— "तर्कना चिंतन का वह रूप है जिसकी पूरी अभिव्यक्ति तर्कना समस्त रूप में होती है। तर्कना करने वाले प्राणी को इस बात का बोध होता है कि एक निश्चय दूसरे निश्चयों पर आधारित होता है।"

2. एन. एल० मन :— "समस्या के समाधान हेतु तर्कगत अनुभवों का समायोजन किया जाता है। यह समायोजन तभी सम्भव है जब गत समाधानों के पुनरुत्पादन से समस्या का समाधान नहीं होता है।"

3. जेम्स ड्रेवर :— "तर्क चिंतन की वह प्रक्रिया है जिसमें निष्कर्ष होता है और सामान्य नियमों के आधार पर समस्या का निवारण होता होता है।"

उपर्युक्त परिभाषाओं का अर्थ है कि समस्या एक प्रकार की परिस्थिति है जिसका मनुष्य के पास तैयार समाधान नहीं

होता है। अतः समस्या के हल के लिए चिंतन और तर्क की आवश्यकता होती है। चिंतन की सबसे ऊँची अवस्था को तर्क कहते हैं।

तर्कना के कार्य (Functions of Reasoning):-

1. तर्क द्वारा मनुष्य उस सामग्री को खोजने या इकट्ठा करने का प्रयास करता है जो समस्या के निवारण में सहायक होती है।

2. समस्या समाधान के सभी उपाय तर्क द्वारा ही लगाया जाता है।

3. मनुष्य तर्क द्वारा ही अलग-अलग अनुमानों की तुलना करता है।

4. मनुष्य तर्क द्वारा समस्या के निवारण के सम्बन्ध में अनुमानों को खोजने के साथ ही उनकी सत्यता को जाँचने के लिए भी तर्क का उपयोग करता है।

तर्कना के प्रकार (Types of Reasoning):-

निगमनात्मक तर्क (Deductive Reasoning):- इसमें मनुष्य अपनी समस्या के सम्बन्ध में सामान्य सिद्धान्त के आधार पर कोई निष्कर्ष निकालता है। सामान्य सिद्धान्त के अनुसार, अगर कोई भी

सभी वस्तुएँ गिरकर टूट जाती है तो संभव है कि काँच से बनी गिलास भी गिरकर टूट जायेगा |

II. आगमनात्मक तर्क (Inductive Reasoning):-
इसमें मनुष्य किसी विशेष घटना के आधार पर किसी सामान्य सिद्धान्त को प्रतिपादित करता है |

तर्कना और बुद्धि (Reasoning & Intelligence):-
तर्क और बुद्धि में घनिष्ठ संबंध है | पाया देखा गया है कि जिन व्यक्तियों में बुद्धि अधिक है उनमें तर्क करने की क्षमता ज्यादा है | जिनमें तर्क करने क्षमता अधिक होती है, वे अधिक बुद्धिमान होते हैं |

Hrishi Kesh lal
Deptt - psychology.
B.M.C. Rahika.

Next day